वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

एम.ए. पूर्वार्द्ध परीक्षा

एमएआरजे - 01

आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य

अवधि 3 घंटे **अधिकतम अंक 80**

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

प्रश्न बैंक

खण्ड - ब (लघुत्तरात्मक)

नोट - नीचै लिख्यां सवालां रौ पड़ू+तर दिरावो। अधिकतम सबद सीमा २०० सबद है।

१. राजस्थानी रै प्राचीन ऐतिहासिक गद्य साहित्य पर टिप्पणी लिखो।

२. राजस्थानी दवावैत साहित्य री परम्परा नै दरसावो।

३. राजस्थानी बात साहित्य पर टिप्पणी लिखो।

४. बालावबोध अर टब्बा साहित्य नै समझावो।

५. वचनिका साहित्य री परम्परा नै दरसावो।

६. कहाणी रा प्रमुख तत्वां री समीक्षा करौ।

७. रेखाचित्र अर संस्मरण साहित्य में अंतर स्पस्ट करो।

८. निबन्ध री प्रमुख विसेसतावां रौ उल्लेख करो।

९. एकांकी अर नाटक में कांई अंतर है ?

१०. रिपोर्ताज साहित्य पर टिप्पणी लिखो।

११. डायरी लेखन की प्रमुख विसेसतावां नै उजागर करो।

१२. 'हूँ गोरी किण पाँव री' उपन्यास री कथावस्तु नै प्रस्तुत करो।

१३. राजस्थानी उपन्यास विधा में शिवचन्द्र भरतिया रौ जोगदान स्पस्ट करो।

१४. 'आभै पटकी' उपन्यास में चित्रित नारी संवेदना री ओळखांण करावो।

१५. 'मेवै रा रूख' उपन्यास रै नायक सिनाथ की चारित्रिक प्रवृतियां ने उजागर करो ?

१६. 'मेवै रा रूंख' उपन्यास रौ मूल उद्देस्य नै चित्रित करो।

१७. 'मेवै रा रूंख' उपन्यास रै आदर्स पात्र सूरदास रौ चरित्र-चित्रण करो।

१८. 'मेवै रा रूंख' री कथावस्तु नै चित्रित करो।

१९. 'धोरा रा धोरी' उपन्यास रै नायक टेस्सीटोरी रौ चरित्र-चित्रण करो।

२०. 'धोरा रा धोरी' उपन्यास रौ उद्देस्य स्पस्ट करो।

२१. 'धोरा रा धोरी' उपन्यास रै सिरै नाम री समीक्षा करो।

२२. धोरा रा धोरी' उपन्यास रै कथोपकथन नै उजागर करो।

२३. राजस्थानी कहाणी री विकास जात्रा नै उजागर करो।

२४. आधुनिक राजस्थानी कहाणी री प्रमुख प्रवृतियां नै उजागर करो।

२५. आजादी रै पछै री राजस्थानी कहाणी री पूठभोम नै दरसावो।

२६. राजस्थानी री ऐतिहासिक कहाणियां माथै लेख लिखो।

२७. राजस्थानी री ग्रामीण परिवेस नै उजागर करण वाळी जथारथवादी कहाणियां री समीक्षा करो।

२८. राजस्थानी कहाणी री परिभासा देवतां थकां उणांरै भेदा नै स्पस्ट करो।

२९. राजस्थानी कहाणी रा प्रमुख तत्वां की समीक्षा करो।

३०. कहाणी अर उपन्यास में कांई अंतर है ? समझावो।

३१. मुरलीधर व्यास रौ राजस्थानी कहाणी में जोगदान स्पस्ट करो।

३२. 'भाठो' कहाणी री कथावस्तु नै समझावो।

३३. 'भाठो' कहाणी रै पात्र मोवन री चारित्रिक विसेसतावां नै उजागर करावो।

३४. करणीदान बारहठ रौ राजस्थानी कहाणी में जोगदान स्पस्ट करो।

३५. 'आदमी रौ सींग' कहाणी संग्रै री समीक्षा करो।

३६. 'माटी री महक' री कहाणी 'करड़ो झांझरको' री नायिका मीरां रौ चरित्र-चित्रण करो।

३७. 'धनवीरो' रौ चरित्र-चित्रण करो।

३८. 'सुखी कुण' कहाणी री समीक्षा करो।

३९. 'थे बारे जाओ' कहाणी री मूल संवेदना स्पस्ट करो।

४०. 'राधा' कहाणी री नायिका 'राधा' रौ चरित्र-चित्रण करावो।

४१. करणीदान बारहठ री कहाणियां री प्रमुख विसेसतावां री ओळखाण करावो।
४२. बैजनाथ पंवार रौ कथा जगत में जोगदान स्पस्ट करो।
४३. 'लाडेसर' कहानी संग्रै री समीक्षा करो।
४४. बैजनाथ पंवार री कहानियां री प्रमुख विसेसतावां नै उजागर करो।
४५. बैजनाथ पंवार री 'धापी बुआ' कहाणी में धापी री चारित्रिक विसेसतावां चित्रित करो।
४६. नृसिंह राजपुरोहित रौ जीवन परिचै नै चित्रित करो।
४७. नृसिंहजी री 'विदाई' कहाणी री समीक्षा करो।
४८. नृसिंहजी राजपुरोहित री कहाणी कला री विगत मांडो।
४९. 'विदाई' कहाणी रै नायक प्रवीण रौ चरित्र-चित्रण करो।
५०. 'विदाई' कहाणी रौ कथासार आपरै सबदां मे चित्रित करो।
५१. आधुनिक राजस्थानी कहाणी रै विकास में नृसिंहजी रौ जोगदान स्पस्ट करो।
५२. 'निबन्ध' विधा रौ अरथ अर परिभाषा नै चित्रित करो।
५३. मनोहर शर्मा रै व्यक्तित्व अर कृतित्व पर टिप्पणी लिखो।
५४. 'रोहिड़ै रा फूल' निबन्ध संकलन की समीक्षा करो।
५५. 'राजस्थानी' निबन्धमाळा पोथी री समीक्षा करो।
५६. मनोहर शर्मा रौ राजस्थानी निबन्ध साहित्य में जोगदान स्पस्ट करो।
५७. 'निबन्ध गद्य साहित्य री कसौटी है' इण कथन री पुस्टि करावो।
५८. मनोहर शर्मा रै निबन्धां रौ सैलीगत अर सिल्पगत री दीठ सूं निरख-परख करो।
५९. निबन्ध रै तत्वां री ओळखांण करावो।
६०. 'मणिमाळ' निबन्ध संग्रै री समीक्षा करावो।
६१. राजस्थानी संस्कृति रौ निराळौ रूप 'रसकळस' निबन्ध संकलन में मिळे है ? इन कथन री पुस्टि करावो।
६२. राजस्थानी निबन्ध साहित्य में कल्याणसिंह सेखावत रौ जोगदान स्पस्ट करावो।
६३. कल्याणसिंह सेखावत रौ व्यक्तित्व-कृतित्व पर टिप्पणी लिखो।
६४. कल्याणसिंह सेखावत रै निबन्धा री प्रमुख प्रवृतियां नै उजागर करो।
६५. नाटक अर एकांकी में कांई अंतर है ?

६६. राजस्थानी नाटक रो उद्‌भव-विकास नै समझावो।

६७. शिवचन्द्र भरतिया रौ राजस्थानी नाटकां में जोगदान नै स्पस्ट करो।

६८. नाटक री परिभाषा दीजिए।

६९. एकांकी कांई है ? उणरै विकास री संक्षिप्त जाणकारी दिरावो।

७०. राजस्थानी एकांकी साहित्य पर लेख लिखो।

७१. लोककथावां माथै आधरित राजस्थानी नाटकां री ओळखांण करावो।

७२. सामाजिक एकांकियां पर टिप्पणी लिखो।